भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5484
बुधवार, 5 अप्रैल, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

वैश्विक तापमान में वृद्धि

†5484. श्री नारणभाई काछडिया:
श्री दिलीप शइकीया:
श्री देवजी पटेल:
श्री वाई. देवेन्द्रप्पा:
श्री रणजितसिंह नाईक निंबालकर:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक नए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि पृथ्वी का तापमान बढ़ने से कीटों की संख्या और बढ़ेगी ;

(ख) यदि हां, तो कीटों की संख्या में वृद्धि के परिणामस्वरूप फैलने वाली संभावित बीमारियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) मनुष्यों के संरक्षण हेतु पृथ्वी की तापमान वृद्धि को कम करने और तापमान का शीतलन करने के लिए किन कदमों पर विचार किया गया है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां । इंटरगवर्नमेंटल पैनल फॉर क्लाइमेट चेंज (IPCC) की एक रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि ग्लोबल वार्मिंग/तापमान में वृद्धि के कारण दुनिया भर में कीटों की आबादी बढ़ने की संभावना है। तापमान कीटों के शरीर क्रिया विज्ञान और चयापचय को नियंत्रित करता है । तापमान में वृद्धि से शारीरिक गतिविधि बढ़ जाती है और इसलिए चयापचयन दर बढ़ जाती है। जीवित रहने के लिए कीटों को अधिक खाना पड़ता है और यह संभावना है कि शाकाहारी कीट अधिक खाएंगे और तेजी से बढ़ेंगे। इससे कुछ कीटों की जनसंख्या वृद्धि दर में वृद्धि होगी। क्योंकि वे तेजी से बढ़ते हैं वे अधिक प्रजनन करेंगे। उनकी संख्या कई गुना बढ़ जाएगी और अंततः इससे अधिक फसल की क्षति होगी।

(ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पास, कीटों की आबादी में वृद्धि के परिणामस्वरूप फैलने वाली संभावित बीमारियों के विवरण पर कोई केंद्रीकृत डेटा उपलब्ध नहीं है। यद्यपि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) देश में कृषक समुदाय के लाभ के लिए ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) योजना के माध्यम से कृषि मौसम विज्ञान संबंधी परामर्शिकाएँ जारी करता है। वर्तमान में 130 कृषि मौसम क्षेत्रीय इकाइयों (AMFUs) और 199 जिला कृषि मौसम इकाइयों (DAMUs) द्वारा सभी कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिलों (~700) और लगभग 3100 ब्लॉकों के लिए प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को कृषि मौसम परामर्शिकाएँ तैयार की जा रही है। इन परामर्शिकाओं में कृषि को प्रभावित करने वाले कीटों और रोगों के बारे में जानकारी भी शामिल है । साथ ही हर फसल के लिए कीट-मौसम कैलेंडर तैयार किए जाते हैं जिन्हें संदर्भ उपकरणों के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

(ग) विभिन्न माध्यमों से ग्लोबल वार्मिंग प्रवृत्तियों को नियंत्रित/रोकने के लिए एक सतत वैश्विक प्रयास किया गया है। मंत्रालय के तहत भारत मौसम विज्ञान विभाग, विभिन्न स्थानिक और कालिक पैमानों में लू सहित प्रतिकूल मौसम की घटनाओं से संबंधित पूर्वानुमान और चेतावनियां जारी करता है और इसे जनता के साथ-साथ आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के साथ साझा करता है ताकि आवश्यक शमन उपायों को शुरू किया जा सके।

आईएमडी, एक पहल के रूप में योजना के उद्देश्य से मार्च के अंतिम सप्ताह में अप्रैल, मई और जून के महीनों के तापमान के लिए मौसमी आउटलुक जारी कर रहा है। यह आउटलुक इस अवधि के दौरान लू के संभावित परिदृश्य को भी सामने लाता है। मौसमी आउटलुक के बाद अगले दो हफ्तों के लिए हर गुरुवार को विस्तारित अवधि आउटलुक जारी किया जाता है। इसके अलावा, दैनिक आधार पर अगले पांच दिनों के लिए लू की चेतावनी सहित प्रतिकूल मौसम के लिए पूर्वानुमान और रंग कोडित चेतावनी अगले दो दिनों के पूर्वानुमान के साथ जारी की जाती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अनुकूलित उपाय के रूप में, स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से वर्ष 2013 से देश के कई हिस्सों में लू के बारे में लोगों को सतर्क करने और ऐसे अवसरों के दौरान कार्रवाई करने की सलाह देने के लिए हीट एक्शन प्लान शुरू किया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के सहयोग से 23 राज्यों में कार्यान्वित लू-कार्य योजना, अत्यधिक लू की घटनाओं के लिए एक व्यापक पूर्व चेतावनी प्रणाली और तैयारी योजना है। यह योजना संवेदनशील आबादी पर अत्यधिक गर्मी के स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए तैयारी, सूचना-साझाकरण और प्रतिक्रिया समन्वय बढ़ाने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक कार्रवाई प्रस्तुत करती है।

*****